PGCGPS

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य

वर्ष 2013–2014

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र

(पी.जी.सी.जी.पी.एस.)

www.ovpdf.com

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.जी.पी.एस.)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा हैं और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ**। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण :

आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ:

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2013 सत्र के लिए	31 अक्तूबर 2013	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2014 सत्र के लिए	30 अप्रैल 2014	

www.oxpdf.com

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तरः

   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और।

   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ,

www.ignou.com

पाठ्यक्रम – गाँधी : एक व्यक्ति और उनका युग (एम.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.–001
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.–001/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गाँधीवादी विचारों में अध्ययन करने के लक्ष्य और उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।

2. दक्षिण अफ्रीका में नस्लवादीय भेदभाव के विरुद्ध गाँधी के संघर्ष की समीक्षा कीजिए।

3. निम्नलिखित को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिएः
   क) खेड़ा सत्याग्रह
   ख) असहयोग आन्दोलन

4. असहयोग आन्दोलन के निर्माण में ख़िलाफ़त आन्दोलन की प्रकृति और इसकी भूमिका की चर्चा कीजिए।

5. रोलेट सत्याग्रह के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) विधायी निकायों में दलित वर्गों के प्रतिनिधित्व के लिए विशेष प्रावधानों की माँग के लिए कारणों को स्पष्ट कीजिए।
   ख) असहयोग आन्दोलन की प्रमुख उपलब्धियों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

7. क) रचनात्मक कार्यक्रम की सफलता और विफलता को स्पष्ट कीजिए।
   ख) भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन पर द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभावों की चर्चा कीजिए।

8. क) साम्प्रदायिक अवार्ड के सार को स्पष्ट कीजिए।
   ख) गाँधी द्वारा क्रांतिकारियों की की गई आलोचना को स्पष्ट कीजिए।

9. क) सावरकर पर पड़े प्रभावों को स्पष्ट कीजिए, जिनके कारण उनके सिद्धांतों को झुकने का आकार प्राप्त हुआ।
   ख) राष्ट्रवाद और अन्तर्राष्ट्रवाद के विशेष संदर्भ के साथ नेहरु के राजनीतिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

10. क) डॉ. अम्बेडकर के न्याय संबंधी विचार की चर्चा कीजिए।
    ख) डॉ. राम मनोहर लोहिया द्वारा गाँधी के आँकलन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

www.ignouguff.com

पाठ्यक्रम – शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम.जी.पी.–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.–005
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.–005/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति की परिभाषा दीजिए। शांति पैदा करना और उसको बनाए रखने के विभिन्न साधनों को स्पष्ट कीजिए।

2. प्रतिनिधित्मक लोकतंत्र शांति की स्थापना करता है। स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   क) जोह्न रॉल्स का न्याय सिद्धान्त (John Rawl's theory of Justice)
   ख) भारत में सकारात्मक कार्य नीति (Affirmative Action Policy)

4. उस आधार की समीक्षा कीजिए जिस पर शांति की संस्कृति का निर्माण किया जा सकता है।

5. संघर्ष की परिभाषा दीजिए। संघर्ष के विशिष्ट स्रोतों को स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) समानता और न्याय पर उदारवादी और मार्क्सवादी विचार
   ख) भागीदारी लोकतंत्र की बाधाएँ

7. क) शांति शिक्षा पर गाँधीवादी विचार
   ख) सत्याग्रह विवाद समाधान के साधन के रूप में

8. क) समानता असमानता के मध्य में है
   ख) व्यापक मानव विकास की संकल्पना

9. क) संघर्ष समाधान की बाध्यकारी (परपीड़न) प्रणाली
   ख) विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के रूप में लोक अदालत का महत्व

10. क) अप्रत्यक्ष संघर्ष और प्रत्यक्ष संघर्षों के बीच संघर्ष को स्पष्ट कीजिए।
    ख) विवाद समाधान के विभिन्न वैकल्पिक शांति प्रणालियों की समीक्षा कीजिए।

www.ignou.com

पाठ्यक्रम – गाँधी के बाद अहिंसक आन्दोलन (एम.जी.पी.ई.–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.ई.–007
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.ई.–007/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति आन्दोलन के लिए गाँधीवादी एजेण्डा क्या है?

2. भारत में शांति आन्दोलनों में नेतृत्व की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

3. गाँधी के बाद अहिंसक आन्दोलनों के परिणामों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

4. संपूर्ण क्रांति की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

5. भूदान आन्दोलन की समकालीन प्रासंगिकता की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) चिपको आन्दोलन का उद्गम
   ख) मद्य–निषेध आन्दोलन का विकास और संकल्पना

7. क) भारत में स्वतंत्रता के बाद किसान आन्दोलन
   ख) साइलेंट वैली आन्दोलन

8. क) नर्मदा बचाओ आन्दोलन
   ख) जल और विकास

9. क) यूरोप में ग्रीन पीस आन्दोलन
   ख) दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आन्दोलन

10. क) पोलैण्ड में अहिंसक सोलिडरिटी आन्दोलन
    ख) संयुक्त राज्यों (यू.एस.) में मानव अधिकार आन्दोलन

www.ignou.com

पाठ्यक्रम – शांति और संघर्ष समाधान के गाँधीवादी दृष्टिकोण
(एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.जी.पी.ई.–008
सत्रीय कार्य कोड : एम.जी.पी.ई.–008/ए.एस.एस.टी./टी.एम.ए./2013–2014
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. शांति निश्चित करने में सत्य और अहिंसा की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

2. सत्याग्रह की विशेषताओं और उद्देश्यों की परीक्षा कीजिए।

3. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
   क) सामुदायिक शांति की गाँधीवादी दृष्टि
   ख) शांति के महिलावादी दृष्टिकोण की प्रमुख विशेषताएँ

4. विश्व संघ और शांतिपूर्ण विश्व के गाँधी के विचार का वर्णन कीजिए।

5. संघर्ष समाधान और अहिंसा की गाँधीवादी प्रणाली को स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) संघर्ष समाधान में शांति सेना और इसकी भूमिका का विचार
   ख) सेवा (SEWA) की भूमिका और विशेषताएँ

7. क) उपवास और आज इसकी प्रासंगिकता पर गाँधी के विचार
   ख) हड़ताल के अर्थ और महत्व

8. क) समझौता और मध्यस्थता
   ख) समझौता या मेलमिलाप की विशेषताएँ और उसके पक्ष

9. क) उत्तर–पूर्व भारत और उसमें शांति के प्रयास
   ख) कश्मीर मुद्दे के संभावित समाधान के लिए गाँधीवादी दृष्टिकोण

10. क) असम में विद्रोह
    ख) श्रीलंका में नृजातीय संघर्ष में भारत की भूमिका

www.ignou.com